उत्तम मार्दव धर्म

1. मार्दव धर्म आत्मा का कौन सा भाव है?
A. स्वभाव B. विभाव C. अभाव D. शुभभाव

2. मार्दवधर्म किस कषाय के अभाव होने पर प्रकट होता है?
A. क्रोध B. मान C. माया D. लोभ

3. मानकषाय को जीतने का उपाय है?
A. छल-कपट B. विनय/मार्दवगुण C. क्रोध
D. लोभ

Scanned with CamSca

Page No:
Date.

4. उद्धत होकर अभिमान से चलना, बैठना, झांकना, बोलना किसका प्रतीक है?
A. मार्दव गुण , B. मान कषाय C. सरलता D. सहजता

5. उत्तमपुरुष उद्धतता के वस्त्र आभरण पहनते हैं?
A. हाँ B. नहीं C. उक्त दोनों D. दोनों में से कोई नहीं

6. संसारी जीवों को अनादिकाल से उदय हो रहा है?
A. सम्यग्दर्शन B. मिथ्यादर्शन C. सम्यग्ज्ञान D. दर्शन

7. अपराध किये बिना ही समस्त लोग बैरी हो जाते हैं किसके?
A. सज्जन B. अभिमानी के C. बालक के D. वृद्ध के

8. आत्मा और मान कषाय में भेद को अनुभव करके मान को छोड़ना उसका नाम है?
A. मानकषाय B. मार्दवगुण C. क्रोध D. माया

9. मार्दवगुण के द्वारा नाश होता है?
A. पुण्य का B. शुभभाव का C. कषाय का D. धर्म का

10. मार्दवगुण अर्थात् विनय के द्वारा दण्ड मिलता है किसको?
A. पाँच इन्द्रियों B. मन C. उक्त दोनों को D. उक्त में से कोई नहीं आत्मा को

11. अभिमानी के मूल से ही अभाव है?
A. कठोरता का B. रागभाव का C. दयाधर्म का D. मिथ्यात्व का

Scanned with CamSca

Page No:
Date.

12. वह कौन सा गुण है जिसके अभाव में व्रत पालना, संयम धारण करना, ज्ञान का अभ्यास करना सब निष्फल है।
A. क्रोध B. मान C. मार्दव D. माया

13. अज्ञानी जीव जिसके आश्रय से मद करता है, जिनवाणी में उनको कितने प्रकार का कहा है?
A. चार अभाव B. आठ मद C. छह द्रव्य D. सात तत्त्व

14. क्षयोपशम ज्ञान के आधार पर अपने को बड़ा ज्ञानी मानना है?
A. जातिमद B. ज्ञानमद C. कुलमद D. रूपमद

15. कोमल परिणामों द्वारा सिद्धि होती है?
A. इहलोक की B. परलोक की C. दोनों लोकों की सम्पत्ति नरक की

16. मान कषाय से इस जीव को लाभ होता है?
A. उच्च पद का B. स्वाभिमान का C. संसार परिभ्रमण का D. गुरुपने का

17. मेरे नाना बहुत बड़े उच्च पद पर हैं, ऐसा मानकर अपने को बड़ा मानना है?
A. कुलमद B. जातिमद C. ज्ञानमद D. रूपमद

18. मेरे ~~पिता~~ पिताजी प्रधानमंत्री ~~जी~~ के मित्र हैं इस आधार पर अपने को बड़ा मानना है?
A. बलमद B. कुलमद C. जातिमद D. ज्ञानमद

19. मेरा चेहरा बहुत सुंदर है इस प्रकार शरीर के आश्रय से अपने को सुन्दर मानना है?
A. कुलमद B. रूपमद C. ज्ञानमद D. बलमद

20. मैंने तीन दिन का उपवास किया, उपवास के आश्रय से अपने को बड़ा मानना है?
A. पूजामद B. तपमद C. रूपमद D. कुलमद

Scanned with CamSca

Page No:
Date.

21. पिता, गुरु, उपाध्याय पुत्र को और शिष्य को कैसा देखकर आनंदित हो जाते हैं?
A. अभिमानी B. विनयवंत C. संपत्तिवान D. ~~बलवान~~ प्रसन्नी

22. जिनकी हजारों देव सेवा करते थे उनका पुण्यक्षय होने पर कोई एक मनुष्य पानी देनेवाला भी नहीं रहा?
A. सही B. गलत C. उक्त दोनों D. कोई नहीं

23. जिनके मस्तक पर गुरु विराजमान हैं वे कैसे हैं?
A. भाग्यहीन B. देव C. धन्यभाग्य D. बलवान

उत्तम आर्जव धर्म

1. उत्तम आर्जवधर्म आत्मा का कौन-सा भाव है?
A. स्वभाव B. विभाव C. दुर्भाव D. अभाव

2. आर्जव धर्म का अर्थ है?
A. कुटिलता B. सरलता C. मायाचारी D. लोभ

3. आर्जवधर्म को धारण करने से होने वाली हानि का नाम बताओ?
A. पाप का खण्डन B. कर्म का क्षय C. कुटिलता का अभाव
D. उक्त सभी

4. मन-वचन-काय की विरूपता को कहते हैं?
A. सरलता B. मायाचार C. सदाचार D. स्वच्छता

5. मन - वचन - काय की विरूपता वाले जीवों के कौन-सी शल्य बाकी ~~जाती~~ है होती है!
A. पुण्य B. पाप ~~मिथ्यात्व~~ 3. माया 4. वेदना

6. जैसे कांजी डालने से दूध फट जाता है उसी प्रकार प्रीति भंग होती है किसकी?
A. सज्जन की B. मायाचारी की C. परिवार की
D. ~~[illegible]~~ समाज की

Page No:
Date.

7. कपटी जीव कैसा है?
A. मित्र द्रोही B. धर्मद्रोही C. कृतघ्नी D. उक्त सभी

8. जिनेन्द्र भगवान का धर्म कैसा है?
A. मायासहित B. छल-कपट सहित C. छल-कपटरहित D. उक्त सभी

9. जिसप्रकार टेढ़े म्यान में सीधी तलवार प्रवेश नहीं करती है, उसीप्रकार वक्र परिणामी के हृदय में प्रवेश नहीं करता है।
A. क्रोध B. लोभ C. आर्जवस्वरूप सरल धर्म D.

10. कपटी के दोनों लोक नष्ट हो जाते हैं/पतन होता है।
A. सही B. गलत C. उक्त दोनों D. दोनों में से कोई नहीं

11. कपटरहित सरलचित्त वाले ने यदि कोई अपराध भी किया हो तो भी वह किसके योग्य नहीं है।
A. पुरस्कार B. ख्याति C. दण्ड D. लाभ

12. आर्जवधर्म का धारक जीव संकल्प करता है।
A. आत्मानुभव का B. कषाय जीतने C. संतोष धारने का D. उक्त सभी

13. छल- कपट, ठगाई करने वाला जीव किसको अपनाता है
A. धन B. सम्पदा C. कुटुम्ब D. उक्त सभी

14. काय से स्वाध्याय में बैठना और मन में विचारना कि ~~है~~ ~~[illegible]~~ दुकान पर क्या हो रहा है

Page No:
Date.

15. मायाचाररूप कुटिल परिणामों से लाभ होता है?
A. ख्याति B. लाभ C. यश D. संसारपरिभ्रमण ✓

16. आर्जवधर्म का धारक जीव दूर से ही परिहार करता है?
A. स्वाध्याय का B. सामायिक का C. जगत के छलों का ✓ D. उत्तम क्षमा का

17. आर्जवधर्म का धारक जीव आत्मा को कैसा जानता है?
A. असहाय B. चैतन्यमात्र C. उक्त दोनों ✓ D. दोनों में से कोई नहीं

18. मन-वचन-काय की एकरूपता को आर्जवधर्म किस अपेक्षा से कहते हैं?
A. व्यवहारनय से ✓ B. निश्चयनय से C. उभयनय से D. अनुभयनय से

19. आत्मा का हित चाहने वालों को अवलंबन लेना चाहिए?
A. कुटिलता का B. कषाय का C. आर्जवधर्म का ✓ D. संसार द्वेष का

20. कपटी जीव की प्रीति किसके समान कही जाती है?
A. शक्कर B. नीम C. बबूल D. अँगार ✓

21. मायाचाररूप कुटिल परिणामों द्वारा धन प्राप्ति की चाह रखने से आत्मा को लाभ होता है किसका?
A. धन का B. स्वर्ण का C. कर्मबन्धन का ✓ D. यश का

उत्तम शौच

स॰ दृ॰ जीव को दुर्भाव नहीं होता। ∴ दुर्गति नहीं होती है।

Page No: Date:

1. शौच धर्म किसको उज्जवल करने से प्रकट होता है?
A. शरीर को B. घर को C. आत्मा को ✓ D. वस्त्र को

2. बहिरात्मा शौच किसे कहते हैं / मानते हैं?
A. देह की उज्जवलता को B. स्नानादि को
C. धन खर्च करने को D. उक्त सभी ✓

3. आत्मा किस कारण से मलिन हो रहा है?
A. हिंसा से B. लोभ से C. उक्त दोनों से ✓ D. पुण्य से

4. संसार में परिणामों को मलिन करनेवाली है?
A. परधन की इच्छा B. परस्त्री की वांछा
C. भोजन की अतिलंपटता D. उक्त तीनों ✓

5. जिनको पचास वर्ष शास्त्र सुनते हो गये हैं किन्तु जिन्हें धर्म के स्वरूप का ज्ञान ही नहीं हुआ है, वह सब इसका फल है?
A. अन्याय B. अनीति C. अभक्ष्य-भक्षण D. उक्त तीनों ✓

6. ~~ऐसा कौन है~~ असंख्यात भवों तक करोडों तीर्थों में स्नान करने से, दान करने से भी पाप का संतानक्रम दूर नहीं होता है किसका?
A. धर्मगुरुद्रोही B. उपकार को लोपनेवाले C. स्वामीद्रोही
D. उक्त सभी ✓

7. श्रावकाचार जी में सदा ही मलिन किसे कहा है?
A. देह को B. परिवार को C. विश्वासघाती को ✓ D. समाज को

8. यदि अपनी आत्मा की पवित्रता चाहते हो, तो यह नहीं करो?
A. अन्याय के धन का ग्रहण B. अभक्ष्य भक्षण C. परस्त्री की वांछा D. उक्त सभी ✓

9. पाँच पापों में प्रवर्तनेवाले जीव किस काल में मलिन होते हैं?
1. संध्याकाल में 2. ब्रह्ममुहूर्त में 3. सदाकाल ✓
4. किसी-किसी काल में

Scanned with CamScanner

Page No:
Date.

10. जो परके उपकार को ~~मलिन~~ लोप करते ~~हुए~~ हुए सदा ही मलिन हैं; उन्हें क्या कहते हैं?
A. कृतज्ञ B. कृतघ्नी C. सज्जन D. भला आदमी

11. वीतराग सर्वज्ञ के परमागम का अनुभव करके अंतरंग ---- ~~मल~~ का धोना वह शौचधर्म है?
A. मिथ्यात्व मल B. कषाय मल C. उक्त दोनों ~~D. द्रव्यकर्म~~ D. नोकर्ममल

12. भोजन के लंपटी को अति अधम क्यों कहा है?
A. अखाद्य वस्तु भी खा लेता है B. हीनाचारी होता है C. लज्जा नष्ट हो जाती है D. उक्त सभी

13. परिणामों में उत्तम पुरुषों के गुणों का चिंतवन करने से आत्मा ~~उज्ज्वल~~ उज्ज्वल होता है।
A. सही B. गलत C. उभय D. अनुभय

14. उत्तम शौच धर्म आत्मा का कौन सा भाव है
A. स्वभाव B. विभाव C. अभाव D. उक्त सभी D. दुर्भाव

15. उत्तम शौच धर्म किस कषाय के अभाव से प्रकट ~~होता~~ होता है?
A. क्रोध B. मान C. माया D. लोभ

16. वह कौन-सा जल है जिसके द्वारा तीव्र लोभरूप मल को ~~धो~~ धोया जाता है?
A. समभावरूपी जल B. संतोषभावरूपी जल C. उक्त दोनों D. कषायभाव

17. ऐसे कोई दो कार्य, जिसके वशीभूत हुए जीव नरक-तिर्यंच गति के कारण महानिंद्य परिणामों को प्राप्त हो जाते हैं।
A. जिह्वा इंद्रिय B. उपस्थ इंद्रिय C. उक्त दोनों D. कर्ण इंद्रिय

Page No:
Date.

18 कषायमल का अभाव करने से प्रकट होता है।
A. स्वर्ग B. महल C. शौचधर्म D. सुन्दरशरीर

19. वे कौन-से जीव हैं जो करोड़ों वर्षों तक समस्त शास्त्रों का पठन-पाठन करे तो भी उनके शुचिता कभी नहीं होती है।
A. परस्त्री वांछक B. परधन का वांछक C. जीवघात करने वाले D. उक्त सभी

20. शौच धर्म है।
A. मोक्ष का मार्ग B. मोक्ष का दाता C. उक्त दोनों D. संसारमार्ग

Scanned with CamSca

उत्तम सत्य धर्म

Page No:
Date.

1. यह जीव अनन्तानन्त काल से रहा?
A. स्वर्ग में B. मोक्ष में C. मनुष्य में D. निगोद में

2. वचन बोलने की शक्ति प्रकट होती है?
A. त्रस में B. स्थावर में C. तिर्यञ्च में D. मनुष्यपने में

3. आभरण, वस्त्रादि कूकर, वानर, गधा, घोड़ा, ऊँट, बैल इत्यादि को भी मिल जाते हैं परन्तु ऐसी कौन-सी शक्ति है जो एक मनुष्य जन्म में ही संभव है?
A. पढ़ने-पढ़ाने की शक्ति B. उत्तर देने की शक्ति
C. वचन की शक्ति D. उपर्युक्त सभी

4. कर्मभूमि के मनुष्य तिर्यंच की अकाल मृत्यु नहीं होती है यह असत्य वचन कैसा है?
(A) विद्यमान अर्थ का निषेध करने वाला C. कर्कशा
B. पैशून्य D. कटुका

5. अविद्यमान अर्थ को प्रकट करने वाला असत्य वचन है?
A. देवों की अकाल मृत्यु कहना B. देवों को मांसभक्षी कहना
C. देवों को कुरूप बताना D. उक्त सभी

6. हास्य नाम का गर्हित असत्य वचन है?
A. भण्ड वचन B. लीला वचन C. हास्य वचन D. उक्त सभी

7. पण्डित सदासुखदास जी ने प्राण जाने पर भी किसे दूषित नहीं करने की प्रेरणा दी है?
A. राग को B. द्वेष को C. वचन को D. पाप को

8.

Scanned with CamSca

सुख का आधार / छोटा परिवार नहीं, संस्कारित परिवार है।

सम्यग्दृष्टि जीव को दुर्भाव नहीं होता
∴ दुर्गतिगमन नहीं होता है।

Page No:
Date:

9. जिस वचन के द्वारा कलह-विसंवाद-युद्ध होने लगे, महाहिंसा में प्रवृत्ति होने लगे; इस प्रकार के वचन को कहते हैं?
A. गर्हित B. अप्रिय C. सावद्य D. उक्त सभी ✓

10. जिस वचन को सुनने से ही हड्डियों की ताकत नष्ट हो जाती है, उस भाषा को कहते हैं?
A. असत्य वचन B. मर्मच्छेदकभाषा ✓ C. गर्हित वचन D. उक्त सभी

11. उत्तम सत्य धर्म आत्मा का भाव है?
A. स्वभाव ✓ B. विभाव C. अभाव D. उक्त कोई नहीं

12. श्री रत्नकरण्ड श्रावकाचार जी के अन्तर्गत कितने प्रकार के असत्य की बात कही है?
A. दो B. तीन C. चार ✓ D. पाँच

~~13. जहाँ अपने बोलने से धर्म का~~

13. हमें किन स्थानों पर बिना पूछे ही बोलना चाहिए?
A. प्राणियों का उपकार होता हो B. धर्म की रक्षा होती हो
C. ~~कलह~~ स्व-पर का हित हो D. उक्त सभी ✓

~~14. तू महामिथ्या है, तू अभक्ष्य भक्षण करने वाला है~~

14. अपने गुण प्रकट करना, दूसरों के दोष कहना, अपना कुल, जाति, रूप-बल-विज्ञान आदि का मद सहित ~~व~~ वचन बोलने रूप भाषा को कहते हैं?
A. सत्य भाषा B. प्रामाणिक भाषा C. अभिमानी भाषा ✓
D. धर्म भाषा

15. वह कौन-सा स्थान है जहाँ मौन सहित ही रहना उचित है?
A. अपने बोलने से हिंसा बढ़ती हो ✓ B. धर्म की रक्षा हो
C. जीवों की रक्षा हो D. कषाय का पोषण हो

16. असत्य वचन से घोर पाप के आस्रव रूप हजारों दोष प्रकट होते हैं। उनमें से मुख्य यह है?
A. भगवान की आज्ञा का भंग B. परमागम से पराङ्मुखता
C. घोर पाप का आस्रव D. उक्त सभी ✓

Scanned with CamScanner

Page No:
Date.

17. यह जीव उत्तमकुल का है, यह नीचकुल का है इसकी पहिचान भी इनके द्वारा होती है?
A. मौन के द्वारा B. आभूषणों के द्वारा C. वचनों के द्वारा
D. धन-वैभव के द्वारा

18. जिस वचन से अशुभ वेदना प्रकट हो जाय, ऐसी प्राणों का घात करने वाली भाषा है?
A. अहिंसक B. सत्य C. भूतवधकरी D. अभयकरी

19. सत्यवादी किसके समान होता है।
A. माता के समान बिश्वास योग्य B. गुरु के समान पूज्य
C. मित्र के समान प्रिय D. उक्त सभी

20. श्री रत्नकरण्ड श्रावकाचार जी ग्रंथ के अन्तर्गत अप्रिय भाषा के भेद कहे गये हैं?
A. चार B. पाँच C. आठ D. दस

Scanned with CamScanner

उत्तम संयम धर्म

Page No:
Date.

1. पाँच व्रतों के एकदेश त्याग करने को कहते हैं ।
A. महाव्रत B. अणुव्रत C. उभय D. अनुभय
2. मल मूत्र-कफादि मलों को ऐसे स्थान में फेंकना/त्यागना जहाँ अन्य जीवों को ग्लानि, दुःख, बाधादि उत्पन्न नहीं हो उसे कहते हैं ?
A. अणुव्रत B. महाव्रत C. प्रतिष्ठापन समिति D. पापकार्य
3. शरीर तथा उपकरणों को नेत्रों से देख-शोधकर उठाना-धरना उसे कहते हैं ?
A. भाषा समिति B. वचनगुप्ति C. आदान निक्षेपण समिति D. ईर्या समिति
4. वह क्या है ? जिसके अभाव में दीक्षा धारणा, व्रत धारणा मूँड मुड़ावना, नग्न रहना, भेष धारणा - ये सभी वृथा हैं ?
A. पीछी B. कमण्डलु C. संयम D. संघ
5. संयम बिना हमारे मनुष्य भव की एक घड़ी भी व्यतीत न हो, ऐसी भावना किसके होती है ?
A. मनुष्य के ~~B. ...~~ B. ज्ञानी जीवों की C. अज्ञानी जीवों के D. धनवानों के
6. संयमी जीव अंतरंग और बहिरंग दोनों ओर से आत्मा की सुरक्षा किस प्रकार करता है ?
A. अंतरंग में कषायों से रहित होकर B. बाह्य में यत्नाचाररूप प्रवृत्ति से C. उक्त दोनों D. शुभ-अशुभ वृत्ति द्वारा
7. एक ऐसी अमूल्य संपत्ति जिसे प्राप्त करके उसे बिगाड़ने के समान बड़ा अनर्थ दूसरा नहीं है ?
A. ख्याति B. प्रभुता C. संयम D. स्वास्थ्य

Scanned with CamScanner

Page No:
Date.

8. विषयों का सुख कैसा है?
A. क्षणभंगुर B. नरकों के घोर दुःखों की प्राप्ति का कारण
C. किंपाकफल समान D. उक्त सभी

9. देख-देखकर इस प्रकार गमन करना कि जिससे जीवों की हिंसा न होवे, इस प्रकार की प्रवृत्ति को कहते हैं?
A. अयत्नाचार B. यत्नाचार C. प्रमादचर्या D. स्वच्छंद चर्या

10. विषयों का लोभी होकर जो संयम को बिगाड़ता है वह किसके समान है?
A. ईंधन के लिए कल्पवृक्ष काटना B. कौड़ी के लिए चिंतामणि रत्न बेचना C. उक्त दोनों ~~D.~~
D. कांच बेचकर रत्न लेना।

11. मर्यादा/ यत्नाचारपूर्वक बनाये गये भोजन को भी देख-शोध कर ग्रहण करने को कहते हैं?
A. भ्रमबुद्धि B. शंकालुबुद्धि C. एषणासमिति
D. दोषबुद्धि

12. हित-मित-प्रिय वचन बोलने को कहते हैं?
A. चाटुकारिता B. दीनवचन C. भाषासमिति
~~D. ...~~ D. मिठबोला

13. पाँच पापों के सम्पूर्ण त्याग को कहते हैं?
A. दिग्व्रत B. देशव्रत C. महाव्रत D. अणुव्रत

14. देशव्रत को धारण करने के लिए कौन-सी कषाय का क्षयोपशम आवश्यक है?
A. अनन्तानुबंधी का B. अप्रत्याख्यानावरण का
C. उक्त दोनों का D. संज्वलन का

~~15. नरकगति, तिर्यंचगति व देवगति में तो संयम होता ही नहीं है~~

15. देवगति में संयम होता है ?
A. हाँ B. नहीं C. उक्त दोनों D. दोनों में से कोई नहीं

16. मनुष्यपर्याय में भी ऐसे कौन-से जीव हैं जिन्हें संयम कभी नहीं होता है ?
A. अधम देशों में B. इन्द्रियों अन्यायमार्गी
C. मिथ्यादृष्टि D. उक्त सभी

17. अप्रत्याख्यान व प्रत्याख्यान दोनों कषायों के क्षयोपशम से होता है ?
A. देश संयम B. असंयम C. सकलसंयम D. अविरति

18. जो जीव संयम प्राप्त करने के बाद उसे छोड़/बिगाड़ देता है. ऐसे जीव को लाभ होता है ?
A. संसार परिभ्रमण का B. त्रस स्थावरों में भ्रमण का
C. सुगति प्राप्त नहीं होती D. उक्त सभी का

19. संयम दो प्रकार का है वह यह है ?
A. भक्ष्य-अभक्ष्य का त्याग B. इन्द्रियसंयम तथा प्राणीसंयम
C. कुशील सेवन D. उक्त कोई नहीं

~~20. संयम को धारण~~

२० इस भव और परभव में एकमात्र शरणभूत है ?
~~A. पुण्यभाव~~ B. संयमभाव C. माता-पिता
A. ज्योतिष D. स्त्री-पुत्र

Scanned with CamSca

उत्तम तप धर्म

Page No:
Date.

1. उत्तम तप ~~कह~~ धर्म कहते हैं किसे?
A. अनशन को B. प्रायश्चित्त को C. इच्छा निरोध को
D. एक पैर से खड़े होने को

2. जैसे ~~सोलह~~ सोलह बार स्वर्ण को तपाने से वह समस्त मैल छोड़कर शुद्ध होता है, उसी प्रकार आत्मा भी कर्ममलरहित शुद्ध होता है किसके प्रभाव से?
A. ख्याति B. ऐश्वर्य C. ~~बारह प्रकार के~~ तप D. प्रभुता

3. 'उत्तम तप धर्म' किस वस्तु का स्वभाव भाव है?
A. शरीर का B. आत्मा/जीव का C. धर्म का C. आस्त्रव का

4. अज्ञानी मिथ्यादृष्टि जीव तप किसे कहते हैं।
A. पंचाग्नि द्वारा शरीर को तपाने में B. शरीर को जला देने से
C. शरीर कृष करने से D. उक्त सभी

5. संसारी जीव के सबसे बड़ी फांसी कौन-सी लगी है?
A. स्त्री-पुत्रादि ~~रूप~~ रूप B. कुटुम्ब परिवार रूप
C. ममता रूप D. सोसायटी रूप

6. जिस प्रकार स्वर्ण ~~पा~~ पाषाण की संगति से मलिन है उसी प्रकार यह आत्मा किससे मलिन हो रहा है?
A. धूल मिट्टी से B. कर्मोदय से C. राग-द्वेष-मोहादि रूप भावकर्म से D. नोकर्मरूप बाह्य सामग्री से

7. ~~आत्मकी~~ तप करने की योग्यता किस गति के जीव में है?
A. देव B. नरक C. मनुष्य D. तिर्यन्च

8. तप करने के योग्य परिणामों का होना कैसा है?
A सुगम है B. कभी भी कर सकते हैं C. अति दुर्लभ है
D. वृद्धापन में कर सकते हैं

9. परम धर्म के धारक ~~वि~~ वीतरागी गुरुओं को प्राप्त करके भी तप-संयम ग्रहण की पात्रता के लिए आवश्यक है।
A. सम्यक्त्व रूप सूर्य का उदय हो B. अशुभकर्मोदय अति मंद हो
C. संसार-विषयभोगों से विरक्तता ~~हो~~ हो D. उक्त सभी

Scanned with CamSca

Page No:
Date.

10. तप धारण करके भी यदि कोई पापी विषयों को इच्छा से बिगाड़ता है उसको पुनः तप कब प्राप्त होगा?
A. एक वर्ष बाद B. एक माह बाद C. अनन्तानन्त काल तक D. छह माह बाद

11. तप करने की अयोग्यता किन-किन गतियों में है!
A नरक B. तिर्यञ्च C. देव D- उक्त सभी

12. जिनागम में तप कितने प्रकार का कहा है!
A. दस B. आठ C. बारह D. चौदह

13. तप करने से नष्ट होता है!
A. काम B. निद्रा C. प्रमाद D. उक्त सभी

14. तप करते समय इन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है!
A. परिणामों में उज्जवलता बढ़ती जाये
B. ~~देह की~~ वात-पित्त-कफादि का प्रकोप न हो.
C. तप में उत्साह बढ़े D- उक्त सभी

15. श्रुत के अर्थ का प्रकाश करना, व्याख्यान करना, स्वयं निरंतर अभ्यास करना, दूसरों को अभ्यास कराने को कहते हैं!
A. क्षयोपशम ज्ञान B. बुद्धि कौशल्य C. तप D. प्रवीणता

16. तप धारण करने की शक्ति किसको प्राप्त है!
A. बालक को B. तरुण को C. वृद्ध को D. सभी को

17. संसारी जीव ममतारूप जाल में फँसा हुआ रोगादि की तीव्र वेदना से तथा स्त्री-पुत्रादि के वियोग से तीव्र आर्तध्यानपूर्वक मरण करके प्राप्त करता है!
A. स्वर्ग सुख B. दुर्गतियों के घोर दुःखों को C. स्त्री-पुत्रादि के संयोग D. तीव्र अनुकूलता को

18. जिससे कर्म के समूह का नाश करके आत्मा स्वाधीन हो जाये उसे कहते हैं?
A. मित्र B. शत्रु C. तप D. राग

Scanned with CamSca

Page No:
Date.

19. जिसप्रकार से राग-द्वेष-मोहरूप मैल भिन्न हो जाय तथा शुद्ध ज्ञान-दर्शनमय आत्मा भिन्न हो जाये, उसे कहते हैं?
A. भेदविज्ञान B. प्रज्ञाछैनी C. तप D. उक्त सभी

२०. कर्मों के बन्धन से ~~जकड़े~~ बंधे हुए आत्मा को बंधन से मुक्त करने का उपाय है? (~~व्रतादिक धारण करना~~)
A. व्रतादि धारणकरना B. भेदविज्ञानपूर्वक आत्मा और कर्मों को भिन्न जानना
C. पूजा-पाठ करना D. प्रभावना करना

उत्तम त्याग धर्म

1. उत्तम त्याग धर्म किसका ~~असल~~ स्वभाव है?
A. शरीर का B. आत्मा का C. आहार का D. औषधि का

२. यह भी बड़ा दान है?
A. ब्राह्मण ~~पण्डित~~ को भोजन कराना B. मिष्ट वचन बोलना
C. चिंटियों को दाना देना D. कबूतरों को चुगाना

3. लोभरूप अंधकूप में पड़े हुए को वहाँ से निकालने का उपकार कौन करता है?
A. कुपात्र B. अपात्र C. उत्तमपात्र D. लुटेरे

4. जिनागम में दान कितने प्रकार का कहा है?
A. दो B. तीन C. चार D. छह

5. ऐसा निर्धन, जिसकी सेवा टहल करनेवाला कोई नहीं है, यदि उसे तैयार औषधि मिल जावे तो वह किसके समान मानता है?

6. यह जीव परिग्रह त्याग करने के लिए समर्थ कब होता है?
A. ~~तीव्र~~ राग की तीव्रता में B. राग की मंदता में
C. राग के अनुदय में D. राग के उदय में

A. निधियों के लाभ समान B. बंगला के लाभ समान
C. पुत्र के लाभ समान D. सुन्दर रूप के लाभ समान

Scanned with CamSca

Page No.
Date.

7. धन की सफलता है?
A. भोगने से B. फिजूल खर्च से C. दान से D. रेस्टोरेन्ट में भोजन करने से

8. ऐसे जीव जो समस्त परिग्रह त्यागने को समर्थ नहीं हैं, वे अपने उपयोग को कहाँ रमाते हैं?
A. सराग धर्म में रुचि रखते हैं B. पाप से भयभीत हैं
C. उत्तम पात्रों को दान देते हैं D. उक्त सभी

9. छहकाय के जीवों को अभयदान देने का अर्थ होता है?
A. अभक्ष्य का त्याग B. यत्नाचार पूर्वक प्रवृत्ति
C. देख-शोधकर उठाना-धरना D. उक्त सभी

10. औषधिदान के प्रभाव से यह जीव देह प्राप्त करता है?
A. नपुंसक शरीर B. हुण्डक शरीर C. वैक्रियिक शरीर
D. वामन शरीर

11. औषधिदान के द्वारा अनेक गुण पुष्ट होकर प्रकट होते हैं?
A. वात्सल्य B. स्थितिकरण C. निर्विचिकित्सा
D. उक्त सभी

12. ज्ञानदान के प्रभाव से प्राप्त होता है?
A. क्षयोपशमज्ञान B. मनःपर्ययज्ञान C. अवधिज्ञान
D. केवलज्ञान

13. अभयदान के प्रभाव से यह जीव पात्र नहीं बनेगा किसका?
A. जन्म-मरण का B. रोग-शोक का C. दारिद्र वियोगादि संताप का
D. उक्त सभी

14. कोई मिथ्यादृष्टि जीव भी यदि पात्र को आहारदान देता है, वह आगामी भव में कहाँ उत्पन्न होता है?
A. कुभोग भूमि B. भोगभूमि, स्वर्ग C. लवणसमुद्र D. स्वयंभू-रमण समुद्र

Scanned with CamScanner

Page No:
Date.

15. भोगभूमि में क्षुधा-तृषा की बाधा कितने दिन के अंतर से होती है?
A. आठ B. पाँच C. छह D. तीन

16. आत्मा के उद्धार के लिए अपने को व अन्य को शास्त्र पढ़ाना है?
A. क्षयोपशमज्ञान B. ज्ञान दान C. जानकारी बढ़ाना D. प्रवीणता प्रकट करना

17. धर्म का स्तम्भ है?
A. पंचकल्याणक B. ~~अति~~ ज्ञान C. बड़े-बड़े मंदिर D. बड़े-बड़े तीर्थक्षेत्र

~~18. जो ज्ञान के इच्छुक है~~

18. जहाँ ज्ञानदान होगा वहाँ धर्म रहेगा अतः ज्ञान के इच्छुक जीवों का कर्त्तव्य है?
A. अपनी संतान को ज्ञान दान करे B. पाठशाला की स्थापना
C. शास्त्र दान करे D. उपर्युक्त सभी

19. प्राणी का जीवन, शक्ति, बल, बुद्धि ये सभी गुण आहार बिना नष्ट हो जाते हैं। जिसने आहारदान दिया प्राणियों को क्या दिया है?
A. जीवन-शक्ति B. बल-बुद्धि C. निरोगता D. सभी कुछ दिया

20. श्री रत्नकरण्ड श्रावकाचार जी के अन्तर्गत किस प्रकार के मन-वचन-काय की प्रवृत्ति का त्याग करने को कहा है?
A. दूसरों के दुःख के कारण ~~B. जिनसे यश और धर्म नष्ट करे~~
B. जिनसे यश और धर्म नष्ट हो C. क्रोधादि कषायों की ~~वृद्धि~~ वृद्धि
D. उक्त सभी

21. हमें पात्र दान किस प्रकार देना चाहिये?
A. अभिमान सहित B. विनय व स्नेह के वचन सहित
C. एहसान दिखाकर D. लोक प्रसिद्धि के लिए

Scanned with CamSca

उत्तम आकिंचन्य धर्म

Page No:
Date.

1. ~~A.~~ अपने ज्ञान दर्शनमय स्वभाव के बिना अन्य किंचित् मात्र भी मेरा नहीं है, मैं किसी अन्य द्रव्य का नहीं हूँ – ऐसे अनुभव को कहते हैं ?
A. आस्रव B. जीव C. आकिंचन्य धर्म D. बंध

2. आठ प्रकार का स्पर्श किसका स्वरूप है ?
A. जीव B. पुद्गल C. धर्म D. अधर्म

3. सुख से परिपूर्ण स्वभाव किसका है, वह हमें कहाँ मिलेगा ?
A. शरीर में B. धन दौलत में C. मेरे स्वभाव में D. रेस्टोरेन्ट में

4. यह जीव ~~अनादिकाल से~~ कर्मों की संगति में कब से है ?
A. कुछ वर्षों से B. इसी भव से C. अनादिकाल से D. अनन्त काल से

5. अनन्त काल से मैंने परिभ्रमण किया है ?
A. मिथ्यात्व के उदय से B. स्वरूप ज्ञान रहित होकर
C. परद्रव्यों को अपना ~~स्वरूप~~ जानकर D. उपर्युक्त सभी

6. अब इस अवसर में मुझे अपना तथा पर के स्वरूप का ज्ञान हुआ है ?
A. आवरणादि के किंचित् दूर होने से B. श्रीगुरुओं के प्रसाद से
C. परमागम के प्रसाद से D. उपर्युक्त सभी

7. इस जीव ने ~~आकिं~~ अनादिकाल से आजतक एक ही भावना भाई है किसकी ?
A. आकिंचन्य B. मिथ्यात्व C. सम्यक्त्व D. आराधना

8. मेरे ज्ञानस्वभाव में मिले हुए राग, द्वेष, मोह कामादि मैल को तथा अपने ज्ञायकस्वभाव को मैं भिन्न जाना है किस प्रकार ?
A. चार घण्टे टी.वी. देखने से B. पांच किलोमीटर घूमने से
C. देशान्तर में भ्रमण करने से D. परमागम के निरन्तर अभ्यास से

Scanned with CamSca

9. परमार्थ जो शुद्ध आत्मा उसका विचार करने की शक्ति प्रकट होती है किसके?
A. धनवान के B. बलवान के C. जिनके आकिंचनपना होता है D. निर्धन के

10. यह आत्मा अनादिकाल से कर्मों से मिला हुआ है?
A. मटके में मोतियों के समान B. भण्डारगृह में अनाज के समान C. क्षीर-नीर के समान D. मोतीचूर के लड्डू समान

11. गर्म, ठंडा, नरम, कठोर, लूखा, चिकना, हलका, भारी यह सब किसका स्वभाव है?
A. जीव B. पुद्गल C. आस्रव D. संवर

12. मेरा स्वभाव तो सुख से परिपूर्ण है फिर भी मैं दुःखी हो रहा हूं क्यों?
A. संयुक्तप रिवार से B. कर्माधीन होने से C. रात में भोजन नहीं मिलने से D. घर के खाने से

13. जिसे आकिंचनपना होता है उसके ये अतिशय प्रकट होते हैं?
A. परिग्रह में वांछा का अभाव B. रत्नत्रय में प्रवृत्ति C. चक्रवर्ती का सुख भी दुःख दिखता है D. उक्त सभी

14. जिनका संसार का किनारा आ गया है उनको ही यह धर्म होता है?
A. गृहस्थ धर्म B. श्रावक धर्म C. आकिंचन्य धर्म D. पुत्र धर्म

15. आकिंचन्य वास्तव में कैसा है?
A. सराग रूप B. परम वीतराग भाव रूप C. शुभ भाव रूप D. शुभाशुभ भाव रूप

16. अनादिकाल से जितने भी सिद्ध हुए हैं तथा आगे जो भी तीर्थंकरादि सिद्ध होंगे वे एकमात्र इससे ही होंगे?
A. वस्त्र त्याग से B. भोजन त्याग से C. आकिंचन्य धर्म से D. मौन ग्रहण से

9602958600

Page No:
Date.

17. आकिंचन्य धर्म का गृहस्थ अवस्था में पालन होता है?
A. सर्वदेश B. एकदेश C. रंचमात्र भी नहीं
D. उक्त सभी

18. आकिंचन्य धर्म का प्रधानरूप से पालन होता है?
A. श्रावकावस्था में B. गृहस्थावस्था में C. साधु अवस्था में
D. वृद्धापन में

19. गृहस्थ के आकिंचन्य धर्म बाहर में कैसे दिखाई देता है?
A. आगामी वांछा रहित है B. प्रामाणिक परिग्रह रखता है
C. अल्पपरिग्रह में संतोष करता है D. उक्त सभी

20. आकिंचन्यधर्म आत्मा का भाव है?
A. अभाव B. विभाव C. स्वभाव D. दुर्भाव

उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म

1. समस्त विषयों में अनुराग छोड़कर ब्रह्म जो ज्ञायकभाव आत्मा उसमें प्रवृत्ति को कहते हैं?
A. अब्रह्मचर्य B. ब्रह्मचर्य C. असंयम C. अविरति

2. इस संसार में ब्रह्मचर्य धारण करने में समर्थ कौन है?
A. विषयों का लोलुपी B. जिह्वा का लोलुपी C. जो मनुष्यों में देव के समान है D. तीव्र कषायी

3. जिसके ब्रह्मचर्य होता है वह जीव सुलभता से जीत लेता है?
A. समस्त इन्द्रियों को B. कषायों को C. उभय/उक्त दोनों
D. उक्त कोई नहीं

4. स्त्रियों के सुख में रागी जो मनरूप मदोन्मत्त हाथी है उसे इसके द्वारा रोको?
A. भोग B. वैराग्यभावना C. परोपकार D. कर्तव्य

5. दुर्धर ब्रह्मचर्य धारण करने के लिए किसका अभाव करना है?
A. स्त्री का B. परिवार का C. विषयों की इच्छा का
D. शरीर का

Scanned with CamSca

6. यह काम मन का मथन करता है, मन के ज्ञान को नष्ट कर देता है, इसी कारण इसे कहते हैं?

A. पापी B. धर्मात्मा C. मन्मथ D. पुण्यात्मा

7. यह कामभाव कहाँ उत्पन्न होता है?

A. स्त्री में B. पुरुष में C. जीव की चित्तभूमि में D. ~~वृद्ध~~ तरुण में

8. इसके कारण अनेक जीव तिर्यञ्च तथा मनुष्यों के भवों में लड़-लड़कर मर जाते हैं, अतः इसे कहते हैं?

Scanned with CamSca